जागरण : सीहोर : शाजापुर : देवास

www.dainikjagranmpcg.com ✹ आष्टा ✹ भैरूंदा ✹ बुधनी ✹ बैरछा ✹ शुजालपुर ✹ सोनकच्छ ✹ कालापीपल ✹ हाटपीपल्या ✹ खातेगांव

भोपाल, 9 सितम्बर 2025

न्यूज कार्नर

तिलक पार्क दशहरा उत्सव समिति का गठन

जागरण, सीहोर। भगवान श्रीराम चंद्रजी के राजतिलक की प्राचीन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व को लेकर तिलक पार्क दशहरा उत्सव समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमे समिति के संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय एवं अमन सोनवाने को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष एवं समिति के संयोजक सुदीप प्रजापति की विशेष उपस्थिति में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता छुट्टल चावरिया द्वारा की गई एवं संचालन अनूप चौधरी द्वारा किया गया। बैठक में प्रदीप यादव को सचिव, प्रशांत कसौलिया और रोहित बोयत को उपाध्यक्ष, शुभम शाक्य चल समारोह प्रभारी, मोहित चावरिया व्यवस्थापक, अक्षय भारती कोषाध्यक्ष, प्रकाश ठाकुर मीडिया प्रभारी, हनी शाक्य महामंत्री, राहुल मालवीय मंत्री, छोटु राय सहायक मंत्री एवं गोलू बोयत, दीपक भारती, सुदेश कुशवाह, दीपक बोयत(चीचू), प्रिन्स धुर्वे को संगठन सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर अमन सोनवाने ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी असत्य पर सत्य की जीत का दशहरा पर्व भव्यता और रंगारंग आतिशबाजी के साथ मनाया जाएगा। जिसमे सीहोर के सबसे बड़े विशालकाय 71 फ़ीट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

जागरण, सीहोर। फेक्ट्री चौराहा स्थित गार्डन में कलश यात्रा के साथ सोमवार से श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा त्यागी बाबा आश्रम रामकुटी से विधिवत पूजा अर्चना कर शुरू की गई। श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिवस कथा वाचक पंडित आनंद मोहन शुक्ला ने भागवत का सार सुनाते हुए कहा कि सत्य ही शिव है सत्य का धारण करने से नारायण की प्राप्ती होती है। उन्होने कहा कि 84 लाख योनियों में विचरण करने के बाद नारायण प्रभू की कृपा से मनुष्य जीवन मिलता है और वह लोभ मोह अंहकार में वशीभूत होकर परमपिता जगदीश्वर को भूल जाता है। मनुष्य जब गर्भकाल में रहता है तो प्रभू से प्रार्थना करता है कि कि मुझे इस पृथ्वी पर जन्म लेने दे ताकी में आपकी भक्ति कर सकुं लेकिन माया से वशीभूत होकर इस कलयूगी दुनिया में खो जाता है और नारायण को भूल जाता है। श्रीमद भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर से शाम तक हो रही है।

किसानों ने आक्रोश व्यक्त कर निकाली रैली

जागरण, सीहोर। खराब फसलों की बीमा राशि नहीं मिलने को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में लगभग हर दिन किसी ने किसी गांव में खराब सोयाबीन की फसल के मुआवजे और बीमा राशि को लेकर आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। ग्राम बिजोरा में किसान एकत्रित हुए। जिसमें बच्चे, बड़े, युवा, बुजुर्ग, महिला, पुरुष सभी शामिल थे। एक किमी लंबा रेला गांव के विभिन्न मार्गो से निकलकर करीब पांच किमी से अधिक तक पैदल चला। इस दौरान थाली बजाते हुए आक्रोश व्यक्त करते हुए निकला। सभी के चेहरों पर आक्रोश साफ झलक रहा था। किसानों ने ठान लिया है कि जब तक किसानों को बीमा राशि नहीं मिलती है। प्रदर्शन चलता रहेगा। जिले के ग्राम बिजोरा में किसानों का गुस्सा एक बार फिर सड़कों और खेतों में दिखाई दिया। खराब हुई फसलों की बीमा राशि की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गांव से लेकर खेतों तक लगभग लंबी रैली निकाली।

सरपंच द्वारा जमकर की जा रहीं अनियमितताएं और भ्रष्टाचार

एक्शन कब : ग्राम पंचायत शिकारपुर में खुलेआम हो रहा भारी फर्जीवाड़ा

संतोष वर्मा ग्रामीण

विजेन्द्र ग्रामीण

जागरण, सीहोर। जनपद पंचायत सीहोर की ग्राम पंचायत शिकारपुर में सरपंच द्वारा बड़ा फर्जीवाड़े किए जाने की जानकारी सामने आई है। पंचायत के संजू आत्मज सुनेर, विजेंद्र आत्मज कमोद सिंह और संतोष आत्मज हेमराज ने जागरण से चर्चा करते हुए बताया कि सरपंच द्वारा पानी की टंकी के लिए स्वीकृत राशि निकाल ली गई है, लेकिन अब तक पानी की टंकी का निर्माण प्रारंभ नहीं किया गया है, जिससे नल जल योजना ठप पड़ी है और गर्मी के दिनों में लोगों को भीषण जलसंकट का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार मतदान केंद्र को तोड़कर 48 लाख रुपए की लागत से नवीन पंचायत भवन का निर्माण किया गया है, लेकिन इसमें भी भारी भ्रष्टाचार करते हुए घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसकी जर्जर हालत और उखड़ता प्लास्टर इसकी गुणवत्ता की कहानी अपने आप बयां कर रहा है। वहीं सरपंच द्वारा पुराने भवन से निकली सामग्री खिड़की, दरवाजों आदि को बिना किसी को बताए चुपचाप से कबाड़ में बेच दिया गया है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच द्वारा गौशाला में मवेशी रखने के लिए पैसे लिए जाते हैं और बिना एक हजार रुपए लिए वो गौशाला में मवेशी को नहीं रखता है। गौशाला में एक सौ पचास मवेशियों पर मात्र एक कर्मचारी है, जिससे उनकी ठीक से देखभाल नहीं हो पाती है और वो बहुत ही दयनीय स्थिति में रहने को विवश हैं।

गौशाला में भूसा और चारे का पर्याप्त इंतजाम नहीं है और बीमार मवेशियों के इलाज के लिए भी पर्याप्त इंतजाम ना करते हुए सरपंच ने इस योजना में भी सरकारी राशि की भारी लूट और बंदरबांट की है। इसके अलावा ग्राम पंचायत में सचिव का पद रिक्त पड़ा है और रोजगार सहायक ही सचिव के पद का प्रभार संभाले हुए है। सरपंच द्वारा इस प्रभारी सचिव को डरा धमकाकर मनमानी करते हुए जब चाहे तब शासकीय राशि की निकासी कर ली जाती है।

इसके अलावा सरपंच द्वारा अन्य योजनाओं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, संबल योजना, राशन वितरण, बीपीएल कार्ड आदि में भी जमकर भ्रष्टाचार और मनमर्जी की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच द्वारा पंचायत भवन निर्माण के अलावा सड़क, नाली निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों में भी अनियमितताएं करते हुए भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है और सरकार की जनहित की योजनाओं के पैसे का निजी जरूरतों के लिए उपयोग कर सरकार की ग्रामीण विकास की अवधारणा और मंशा पर पानी फेरा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना सीहोर जनपद पंचायत में पदस्थ उच्चाधिकारियों के संरक्षण के सरपंच द्वारा इतना बड़ा फर्जीवाड़ा किया जाना किसी भी हाल में संभव नहीं है। ग्रामीणों ने इस भ्रष्टाचारी सरपंच तथा इसे संरक्षण देने वाले सीहोर जनपद के अधिकारियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग सीहोर जिला प्रशासन से की है।

यातायात को अवरूद्ध करने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू

जागरण, सीहोर । जिले में वाहन चेकिंग और सुरक्षा उपाय जिले में अपराधों पर अंकुश और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल द्वारा समस्त थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग की जा रही है। यातायात पुलिस के द्वारा यातायात प्रभारी ब्रजमोहन धाकड़ ने अपनी टीम के साथ केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सड़क सुरक्षा बढ़ाई जा सके। उल्लेखनीय है कि नगरीय क्षेत्र सीहोर में इंदौर नाका से आष्टा की ओर गंगा आश्रम, मंडी, मछलीपुल से एमपीईबी चौराहा तक अभी भी सड़क किनारे वाहन खड़े रहते है जिससे कई बार यातायात अवरूद्ध होता है और राहगीरों को दिक्कत आती हैं।

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

जागरण, सीहोर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में आयोजित दुधारू गायों की प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह विधायक सुदेश राय के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रचना-सुरेंद्र मेवाड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51 हज़ार रूपये से सादाब खान ग्राम नेहरू गांव विकासखण्ड भैरूंदा, द्वितीय पुरस्कार 21 हज़ार रूपये तुलसीराम वर्मा ग्राम बिजौरी विकासखण्ड सीहोर एवं तृतीय पुरस्कार 11 हज़ार रूपये राकेश वर्मा ग्राम सिराडी विकासखण्ड इछावर को पुरुस्कृत कर प्रमाण एवं स्मृति शील्ड प्रदान की गई । पुरस्कार की राशि संबंधित हितग्राही के बैंक खाते में अंतरित करदी गई है। कार्यक्रम में उप संचालक डॉ.आर.पी. गौतम द्वारा विभागीय गतिविधि एवं योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया एवं एनएआईपी अंतर्गत उपस्थित पशुचिकित्सा अमले को प्रतिदिन कृत्रिम गर्भाधान कार्य की ऑनलाइन रिपोर्टिंग, पीपीआर वैक्सीन गौशालाओं की शत प्रतिशत टैगिंग नर सांडों का बधियाकरण तथा प्रजनन योग्य मादा पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान कर अच्छी नस्ल की बछिया पैदा करने हेतु निर्देशित किया।

ईद मिलाद उन नबी जुलुस में लगे हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे

जागरण, सीहोर। मुस्लिम त्यौहार कमेटी और पसमांदा मुस्लिम महासंघ ने संयुक्त रूप से सोमवार को शहर में ईद मिलाद उन नबी का विशाल जुलुस निकाला। पैगंबर मोहम्मद की यौमे पैदाईश के उपलक्ष्य में खुशियां मनाते हुए सैकड़ों लोगों ने यह जुलूस शहर के प्रमुख मार्गो से निकाला। जुलूस में देश की आन वान शान तिरंगा और इस्लामिक झंडों के साथ अखाड़े डीजे बैंडबाजे ढोल धमाके घोड़े बग्गी सजेधजे बच्चे युवा आकर्षण के केंद्र बने रहे। जुलुस में उत्साहित युवाओं के द्वारा हिन्दूस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए । बाजार से मेन रोड बड़ा बाजार होते हुए लीसा टाकिज चौराहा से तहसील चौराहा पहुंचा यह पर जुलूस का समापन किया गया।

पीएम के आह्वान पर शहर में चलाया गया स्वदेशी अभियान

अपने देश का पैसा देश में रहेगा और डॉलर दुनिया में औधे मुंह गिरेगा : महाजन

जागरण, सीहोर। सोमवार को शहर के बाजारों में स्वदेशी अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन के नेतृत्व में दुकानों पर पहुंच कर यह स्वदेशी सामान मिलता है के बोर्ड लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ जैसे नारे भी लगाए। अटल बिहारी वाजपेई चौराहा से कोतवाली चौराहा और तहसील चौराहा तक विभिन्न प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर दुकानदारों को महाजन के द्वारा स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओ और दुकानदारों सहित नागरिकों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूटनीतिक चाल चलते हुए रूस और चीन की मदद से अमेरिका को घुटनों पर ला दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से देशी सामान प्रयोग करने का आह्वान किया है। जिससे कि अपने देश का पैसा देश में रहेगा और डॉलर दुनिया में औधे मुंह गिरेगा।

महाजन ने कहा कि 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे लोकतांत्रिक सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं जिसके लिए हम सभी दुकानदारों आम नागरिकों को विदेशी सामान खाद्य पदार्थ कपड़े जूते इलेक्ट्रिक सामान सहीत सभी वस्तुओं का बहिष्कार करना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है। स्वदेशी अभियान में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

टूरिज्म सेक्टर और होटल मैनेजमेंट के कार्यक्रम आयोजित

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन में केरियर की असीमित संभावनाएं : डा मुकेश

जागरण, सीहोर। श्री सत्यसाईं विश्वविद्यालय सीहोर की स्कूल आफ होटल मैनेजमेंट इकाई में 6 दिवसीय एक सप्ताह वन वीक अटल प्रोग्राम एफडीपी का आयोजन कुलगुरु डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। मुख्य उद्देश्य है कि होटल मैनेजमेंट एवं टूरिज़्म सेक्टर के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्रदान करना। डॉ. तिवारी ने कहाकि वर्तमान परिस्थितियों में सरकारी सेक्टर में जॉब की घटती संख्या को देखते हुए अपना ध्यान स्वरोजगार की ओर देना चाहिए। कड़ी मेहनत, इच्छाशक्ति तथा उचित मार्गदर्शन से जीवन में कुछ भी प्राप्त कर सकते है। इसके उद्घाटन समारोह में पूर्व डायरेक्टर मध्य प्रदेश टूरिज्म डॉ. एके सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक डॉ. शाहब अहमद ने बताया कि यह एफडीपी 8 से 13 सितंबर तक चलेगी इसका शीर्षक होटल और खानपान में तकनीकी

उन्नयन और आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के लिए मजबूत नींव रखना है। इसमें देश के नामचीन शिक्षण संस्थानों के प्रोफेसर एवं शिक्षकों ने रजिस्ट्रेशन करा कर हिस्सा लिया, आज के इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर विवेक शर्मा ने अपने दोनों सेशन में इस विषय के प्रमुख बिंदुओं पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया। एआईसीटीई अटल और श्री सत्य साईं वि वि सीहोर का मुख्य उद्देश्य है कि होटल मैनेजमेंट एवं टूरिज़्म सेक्टर के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्रदान करना एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में कुल सचिव डॉ हेमंत शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय राठौर, सभी विभाग के प्राचार्य, शिक्षक गण छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी की जिला कामकाजी बैठक जिला कार्यालय में संपन्न

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा की गई तैयार

जागरण, सीहोर। भारतीय जनता पार्टी सीहोर की कामकाजी बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। जिसमें विशेष रूप से भाजपा संगठन के आगामी कार्यक्रम जो कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किए जाने है। उन सभी कार्यक्रमों को लेकर उक्त बैठक में दिशा-निर्देश समस्त मण्डल अध्यक्षों को दिए गए। बैठक की शुरुआत राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, विधायक सुदेश राय, विधायक गोपाल इंजीनियर, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीरों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन करने के साथ की गई। बैठक को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन 17 सितम्बर को है। इसे हमें भव्य रूप से सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाना है। मैं समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि समस्त कार्यक्रमों को हम भव्य रूप

से आयोजित करें। तत्पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा गया यशस्वी प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के माध्यम से समाज के गरीब, शोषित तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक सामाजिक कार्य प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहे हैं, उनका व्यक्तित्व अद्वितीय है। प्रतिवर्ष विभिन्न प्रकार की सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाते हैं और उनकी दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने की कामना करते हुए प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हैं।

आयोग के पत्रों पर कार्यवाही में विलम्ब पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

टीएल बैठक : बीमा कैंप में उपस्थित नहीं होने वाले बीसी गोदामों और विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण करें

जागरण, सीहोर । कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाईन, सीएम मॉनिट के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि इन प्रकरणों के निराकरण में यह प्रयास किया जाये कि शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट हो।

विभिन्न आयोगों के लंबित पत्रों की समीक्षा के दौरान कार्यवाही पर विलम्ब होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आयोगों द्वारा भेजे जाने वाले पत्र जनहित या विशेष मुद्दों से जुड़े होते हैं, इन पर त्वरित कार्यवाही कर आयोग को जवाब भेजा जाना सुनिश्चित किया जाये। अमजन की आर्थिक सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा जीवन ज्योति बीमा के लिए कैंप लगाये जा रहे हैं। जनपद सीईओ द्वारा बैंक समन्वयक के कैंप में नहीं पहुंचने की शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने एलडीएम को जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत से समन्वय कर कैंप लगाने तथा बीसी की उपस्थित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सूचना के बाद भी यदि बीसी कैंप में नहीं पहुंचे तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये।

सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को अपने नगरीय निकायों की डीपीआर रिपोर्ट तैयार कर जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों द्वारा पीएम आवास की राशि लेने के बाद भी काम शुरू नहीं किया जा रहा है, तो उनसे राशि वापस जमा कराने की कार्रवाई की जाये। विभिन्न परियोजनाओं के लिये भू-अर्जन की अब तक की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने तथा सभी राजस्व एवं वन अधिकारियों को वन खण्डों व्यवस्थापन एवं राजस्व ग्रामों के संपरिवर्तन की कार्यवाही में गति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि जिन विभागों को अपने कार्यालय अथवा अन्य भवन बनाने के लिए भूमि की आवश्यकता है, वे भूमि आवंटन के लिए स्वयं राजस्व विभाग से संपर्क एवं समन्वय करें और भूमि आवंटित कराएं। इसके साथ ही भूमि आवंटित हो जाने के बाद उस भूमि की संबंधित विभाग सुरक्षा भी करे। जिले के शासकीय महाविद्यालयों एडमिशन की समीक्षा के

दौरान निर्देश दिए कि कोई भी विद्यार्थी ड्राप आउट न करें। लगातार सम्पर्क कर एडमिशन कराने का प्रयास करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा जीवन ज्योति बीमा के लिए कैंप लगाकर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को कैंप में समय पर उपस्थित होन तथा सभी व्यक्तियों का बीमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को ऑनलाइन होगा खाद का वितरण: जिले में खाद की पर्याप्त मात्रा में उपलबधता तथा किसानों वितरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये की खाद की कालाबाजारी न हो। उन्होंने अधिकारियों को गोदामों और दुकानों का नियमित निरीक्षण करने तथा जिले की सीमाओं पर विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की उनकी भूमि के अनुपात में ही खाद का वितरण हो। बैठक में उप संचालक कृषि ने जानकारी दी कि आगामी 27 सितम्बर से किसानों को खाद का वितरण ऑनलाइन किया जयेगा। इसमें आधार भी लिंक होगा। ऑनलाइन सुविधा होने से किसानों द्वारा लिये जाने वाले खाद और भूमि संबंधी जानकारी भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी।

राशन दुकानों का निरीक्षण करें खाद्य अधिकारी : खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि राशन का समय पर उठाव और वितरण किया जाये। उन्होंने कहा कि राशन की कालाबाजारी रोकने के लिये नियमित राशन दुकानों का निरीक्षण किया जाये। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं द्वारा हितग्राहियों से सस्ते दाम पर चावल के बाजार में महंगे दामों पर बेचने की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे हितग्राहि जिनकी मृत्यु हो गई है या अस्तित्व में नहीं है, उनके नाम डिलिट किये जायें तथा नये हितग्राहियों के नाम जोड़े जायें।

सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ब्लाक स्तर पर आदि कर्मयोगी के तहत सभी संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास में आदि कर्मयोगी अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। अंतिम छोर के व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए संबंधित विभागों एवं एनजीओ के आदि कर्मयोगियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे पूरी दक्षता से इस अभियान के उद्देश्यों को सार्थक करने के लिये काम कर सकें।

राजस्व मंत्री वर्मा का दौरा कार्यक्रम । राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा 09 सितंबर को भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 01.45 ग्राम चकलदी तहसील भैरूदा पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होगे। दोपहर 02.45 बजे ग्राम चकलदी से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

जाहिर आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार भगवान सिंह आ. हरिनारायण जाति खाती निवासी चितोडिया हेमा ने विक्रेता भावसिंह आ. रामकिशन जाति गहलोत निवासी सेवनिया तहसील व जिला सीहोर से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि जिसका खसरा नंबर 148 रकबा 0.7215 है0 जो कि ग्राम संग्रामपुर तह0 व जिला सीहोर में स्थित हैं। उक्त भूमि मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा कर टोकन रसीद के माध्यम से बयाना राशि अदा कर दी है और उक्त भूमि पर किसी व्यक्ति या बैंक या वित्तीय संस्था का कोई बकाया देय शेष हो या उक्त भूमि पर किसी व्यक्ति का कोई हक , हित अधिकार हिस्सा हो या उक्त भूमि के सम व्यवहार से किसी व्यक्ति का कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय लेखी प्रमाण के इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर देवे बाद म्याद मेरा पक्षकार उपरोक्त भूमि का विधिवत विक्रय पत्र निष्पादित करा लेवेगा। इसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी व मान्य नही होगा। सर्वसाधारण को सूचित होवे

भवदीय राजीव मिश्रा, एडवोकेट
नोटरी गंज बजरिया सीहोर
मों0 9993659833

न्यूज कार्नर

बारिश थमने से मिली राहत, उमस से परेशानी

जागरण बुधनी । बारिश थमने से किसानों और लोगों को पानी की समस्या में राहत मिली लेकिन तेज धूप और उमस के कारण लोगों को गर्मी और उमस से परेशानी का सामना करना पड़ रहा पिछले दो दिन से तेज बारिश का दौर थम गया है। सोमवार सुबह से तेज धूप साथ मौसम साफ रहा दिनभर मौसम साफ और सुखद बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार वदर सिस्टम कमजोर होने के कारण अगले एक-दो दिन मेंबारिश की संभावना नहीं है।अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सीहोर जिले में इस मौसम नें अब तक बुधनी में सबसे ज्यादा 1308.0 मिलीमीटर बारिश हुई है।

कैंब्रिज स्कूल के छात्र ने बढ़ाया गौरव

जागरण बुधनी । 69 वी शालेय क्रीड़ा संभाग स्तरीय अंडर 17 वॉलीबॉल प्रतियोगिता मंडीदीप रायसेन में आयोजित में सीहोर टीम से कैंब्रिज स्कूल बुधनी के आलोक यादव ने सेटर के रूप में सीहोर की टीम को विजय बनाया कैंब्रिज शाला परिवार की ओर से आलोक यादव को बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं दी एवं उसके उज्जवल भविष्य कामना की।

विहिप का पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग भैरुंदा में

जागरण, रमगढ़ा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) मध्य भारत प्रांत के अंतर्गत आने वाले रेहटी में सोमवार से विहिप के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग शुरू हो गया है। यह प्रशिक्षण उत्तम स्वामी आश्रम रेवगांव में आयोजित किया जा रहा है। इस अभ्यास वर्ग में छत्तीसगढ़, महाकौशल, मध्य भारत और मालवा प्रांत के पूर्णकालिक कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। इन कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन संगठन के लिए समर्पित कर दिया है। यह दूसरी बार है जब चारों प्रांतों के कार्यकर्ताओं का अभ्यास वर्ग बुधनी जिले में आयोजित हो रहा है। इससे पहले यह अभ्यास वर्ग मां बिजासन धाम, सलकनपुर में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान केंद्रीय और प्रांतीय अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्रीय और जिला स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इन अधिकारियों द्वारा कार्यकर्ताओं को संगठन के कार्यों और सिद्धांतों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मरीजों को केवल रेफर करता है करोड़ों से बना बुधनी अस्पताल

मशीने हैं पर टेक्नीशियन नहीं, सुविधाओं के अभाव के साथ ही डॉक्टरों की भी कमी

जागरण बुधनी ढ्ढ करोड़ों की लागत से बना सिविल अस्पताल, मरीजों की जान बचाने के बजाय अब शोभा बढ़ाने का केंद्र बनता जा रहा है। उल्लेखनीयहै की बुधनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में तब्दील किया गया है बुधनी मुख्यालय पर बने 20 करोड रुपए से भी अधिक की लागत से सिविल अस्पताल नए भवन में संचालित हो गया लेकिन व्यवस्थाएं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से भी बदत्तर है यहां मरीजों का प्राथमिक इलाज कर रेफर करने की परंपरा आज भी बनी हुई है जबकि करोड़ की लागत से यहां पर तीन मंजिला बिल्डिंग बनाई गई है लेकिन डॉक्टरों की कमी व उपकरण होने के बाद उन उपकरणों के ऑपरेटर नहीं होने से यहां मरीज हो रहे हैं परेशान करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी स्वास्थ्य सेवाएं नाकाफी साबित हो रही है यहां पर भव्य बिल्डिंग जरूर बना दी गई है लेकिन यहां की व्यवस्थाओं के हाल बेहाल है अस्पताल में मरीजों की लंबी-लंबी करें लगी थी रहती है लेकिन डॉक्टरों की कमी को चलते हुए मरीज परेशान हो रहे हैं अक्सर एक डॉक्टर ही लंबी लंबी कता रो में लगे मरीजों को देखते हैं सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के चलते ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के डॉक्टर से कम चलाया जा रहा है तीन डॉक्टर 24-24 घंटे की सेवाएं दे रहे हैं गंभीर अवस्था में अस्पताल ले गए मरीजों को एंबुलेंस उतारने के लिए कर्मचारी नहीं है बताया जाता है कि सिविल अस्पताल में आठ डॉक्टर और चार मेडिकल ऑफिसर की आवश्यकता होती है लेकिन यहां पर तो ग्रामीण मिशन के डॉक्टर से ही 24-24 घंटे का चलाया जा रहा हैद्य

डॉक्टर की केबिन के सामने लग रही मरीजों की भीड़: उल्लेखनीय है किसामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुधनी अब सिविल अस्पताल बन गया है और यह 50 बिस्तरीय सिविल अस्पतालअपने नई बिल्डिंग में शिफ्ट हो गया है लेकिन अभी भी अवस्थाओं का आलम बरकरार है एक और जहां डॉक्टरों की कमी है वहीं दूसरी ओर दवाइयां भी नहीं है डॉक्टर की केबिन के सामने मरीजों की भीड़ लग रही है तो वहीं दवाइयां नहीं होने से मरीज हो रहे हैं परेशान इन दिनों मौसमी बीमारियों के चलते एवं प्रदूषण के मरीजों की संख्या बढ़ रही है वही दूसरी और बुधनी में विशेषक डॉक्टर भी नहीं है कहने को बुधनी में 9 डॉक्टरों की पोस्ट है लेकिन यहां पर एक या दो डॉक्टर यहां पर आते हैं तो वहीं दूसरी ओर बीएमओ भी सप्ताह में एक दो दिन आते हैं डॉक्टरों के अभाव से मरीज परेशान हो रहे हैं वही

मौसम के बार-बार परिवर्तन से फैल रही बीमारियां: जिससे मरीजों को मजबूरी में पड़ोसी जिला नर्मदा पुरम जाना पड़ता है इस समय मौसम बीमारी के चलते रोजाना मरीजों की संख्या बढ़ रही है पुराने अस्पताल की जगह पर नया मल्टीसिस्टिक तीन मंजिला लगभग 20 करोड़ की लागत से बनाया गया है जहां पर की अस्पताल शिफ्ट हो गया है लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों की कमी खल रही है इन दिनों मौसम के बार-बार परिवर्तन से बीमारियां फैल रही हैं और मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

डाक्टरों की कमी के चलते कई परेशानियां रोजाना बढ़ रही है जरूरत पड़ने पर डाक्टर्स दूसरी जगह से बुलाये जाते हैं स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाओं को लेकर सरकार कितनी गंभीर है फिल्हाल नगरवासी संतुष्ट नहीं दिखाई दे रहे स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम नागरिकों को मच्छरजनित बीमारियों से बचने की सलाह दी गई है। इस मौसम में होने वाली बीमारियां खतरनाक साबित हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने के लिए भले ही लाख दावे करें लेकिन जमीनी हालात इसके उलट है बुधनी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य माने जाने वाले यह स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से बदहाली का शिकार है इसमें इलाज करने पर्याप्त इंतजाम और ना ही जांच आदि करने पर्याप्त संसाधन की सुविधा इलाज की आस में आए मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है आखिर में पैसे देकर निजी अस्पताल में इलाज करते हैं बुधनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 50 बेड का है जिसमें 108 कुल पद स्वीकृत है लेकिन मौजूदा समय में 41 अधिकारी कर्मचारी पदस्थ हैं 67 पद कई वर्षों से रिक्त पड़े हुए हैं जिन पर अभी तक भर्ती नहीं हो पाई है।

विधिक जागरूकता शिविर में दी कानून की जानकारियां

जागरण बुधनी । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र आर्य, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं माननीय डॉ. वैभव विकास शर्मा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुध नी एवं श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीहोर के मार्गदर्शन में दिनांक08.09.2025 को ग्राम पंचायत जहानपुरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में श्रीमती सपना शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बुध नी द्वारा विधिक सहायता के प्रावधानों, विधिक सहायता के गठन व स्थापना, मोटरयान अधिनियम, लोक अदालत एवं लोकोपयोगी सेवाएं, संविधान में उल्लेखित मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्यों, ट्रेफिक नियम, किशोर न्याय बोर्ड अधिनियम एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित कानूनों के संबंध में सारगर्भित रूप से जानकारी दी गयी।

किसानों ने सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन, मांगे पूरी नहीं होने पर दी धरना आंदोलन करने की चेतावनी

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भैरुंदा में किसान स्वराज संगठन ने सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम सुधीर कुशवाह को सौंपा। ज्ञापन में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद, खाद संकट, फसल बीमा और बिजली से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उठाया गया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो वह सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। संगठन ने सरकार से मांग की है कि सोयाबीन और मक्का की एमएसपी पर खरीदी के लिए तुरंत पंजीकरण शुरू किया जाए और इसकी स्पष्ट व्यवस्था तय की जाए। किसानों ने बताया कि पिछले कई महीनों से डीएपी और यूरिया खाद की भारी कमी बनी हुई है। उन्होंने खाद की आपूर्ति व्यवस्था को सुधारने का आग्रह किया ताकि अगली फसल की बुआई समय पर हो सके।

सच्ची श्रद्धा और भक्ति से भागवत कथा श्रवण करने से पापों से मिलती है मुक्ति : तिवारी

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। नगर में भक्ति और आध्यात्म के बीच सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गायत्री मंदिर से एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु विशेषकर महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों - दुर्गा चौक, जेपी मार्केट, रॉयल मार्केट और आजाद मार्केट से होते हुए कथा स्थल मिलन मैरिज गार्डन पहुंची। शहरवासियों ने इस कलश यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। यात्रा में शामिल महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण किए हुए थीं।

जो इस आयोजन की शोभा बढ़ा रही थी। कथावाचक पंडित आयुष्मान तिवारी ने प्रथम दिन की कथा का विधिवत प्रारंभ किया और भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की महिमा और गोकर्ण-धुंधकारी की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य को मोक्ष प्राप्ति के तीन प्रमुख मार्ग बताए गये है। यह तीनों आपस में इस तरह जुड़े हुए हैं कि एक के बिना दूसरा अधूरा है। पहला भक्ति जो ईश्वर के प्रति प्रेम, समर्पण और विश्वास का भाव है। जब व्यक्ति भगवान की भक्ति में लीन होता है तो वह सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठने लगता है। भक्ति के मार्ग पर चलने से मन शुद्ध होता है और चित्त में शांति आती है। दूसरा ज्ञान यह ईश्वर, आत्मा और सृष्टि के यथार्थ को समझने की प्रक्रिया है। सच्चा ज्ञान केवल शास्त्रों के अध्ययन से नहीं मिलता। बल्कि यह भक्ति के माध्यम से हृदय में प्रकट होता है। ज्ञान हमें सही-गलत का विवेक देता है और यह समझने में मदद करता है कि यह संसार क्षणभंगुर है और तीसरा वैराग्य इसका अर्थ है सांसारिक वस्तुओं और सुखों से विरक्ति। जब भक्ति और ज्ञान मिलकर व्यक्ति को यह अहसास दिलाते हैं कि ये सब नश्वर हैं, तब मन में वैराग्य का भाव उत्पन्न होता है। यह वैराग्य किसी चीज़ का त्याग नहीं। बल्कि उसके प्रति अनासक्ति का भाव है। वैराग्य हमें बंधन से मुक्ति दिलाता है। तिवारी ने कहा कि भक्ति के बिना ज्ञान अहंकार को जन्म दे सकता है और ज्ञान के बिना भक्ति अंधविश्वास बन सकती है। इसी तरह वैराग्य तभी सार्थक होता है जब वह भक्ति और ज्ञान के साथ हो। उन्होंने गोकर्ण और धुंधकारी की मार्मिक कथा को बताते हुए कहा कि यह कथा भागवत महात्म्य में आती है और हमें बताती है कि भागवत कथा श्रवण का कितना अद्भुत प्रभाव होता है। एक ब्राह्मण परिवार में आत्मदेव और उनकी पत्नी धुंधुली रहते थे। आत्मदेव बहुत विद्वान और धर्मी थे, पर उन्हें कोई संतान नहीं थी। उन्होंने एक महात्मा से मिलकर अपनी व्यथा बताई। महात्मा ने उन्हें एक फल दिया और कहा कि इसे अपनी पत्नी को खिला देना तुम्हें संतान होगी। धुंधुली ने फल खुद खाने के बजाय अपनी बहन को दे दिया और बहन के कहने पर एक बकरी का दूध पी लिया। समय आने पर धुंधुली ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसका नाम धुंधकारी रखा गया। उसी समय धुंधुली की बहन के घर भी एक पुत्र हुआ, जिसका नाम गोकर्ण रखा गया। गोकर्ण बहुत ही ज्ञानी और धर्मात्मा स्वभाव के थे। वे बचपन से ही भगवान की भक्ति में लीन रहते थे। धुंधकारी इसके ठीक विपरीत था। वह बहुत दुष्ट और पापी था। उसने अपनी माता-पिता को बहुत कष्ट दिए और अंत में अपनी ही माँ को मार डाला। एक दिन.उसने वेश्याओं के साथ रहते हुए अपना सारा धन गंवा दिया। जब उसके पास कुछ नहीं बचा, तो उन्हीं वेश्याओं ने उसे मार डाला। धुंधकारी को भूत-प्रेत की योनि मिली। वह बहुत कष्ट में था और भटक रहा था। इधर गोकर्ण ने अपने माता-पिता के वैकुण्ठ जाने के बाद जब अपने भाई धुंधकारी के बारे में सुना तो वे उसके लिए बहुत दुखी हुए। गोकर्ण ने अपने योग बल से पता लगाया कि धुंधकारी एक भूत बन गया है। जब गोकर्ण ने धुंधकारी को मुक्ति का उपाय पूछा तो धुंधकारी ने उन्हें बताया कि वह एक बांस के पेड़ में प्रेत योनि में फंस गया है। गोकर्ण ने कई उपाय किए, लेकिन धुंधकारी को मुक्ति नहीं मिली। अंत में एक संत ने उन्हें श्रीमद् भागवत कथा सुनने का उपाय बताया। गोकर्ण ने तय किया कि वह भागवत कथा का आयोजन करेंगे। जब कथा शुरू हुई तो धुंधकारी एक बांस के पेड़ में छिपकर बैठा। जैसे-जैसे कथा का एक-एक अध्याय पूरा होता गया बांस का एक-एक गांठ खुलता गया।

कथा के सातवें दिन जब कथा समाप्त हुई तो बांस की सातों गांठे खुल गईं और धुंधकारी प्रेत योनि से मुक्त होकर अपने दिव्य रूप में प्रकट हुआ। भागवत कथा के प्रभाव से धुंधकारी को मोक्ष प्राप्त हुआ और वह भगवान के धाम चला गया। यह कथा हमें सिखाती है कि चाहे कोई कितना भी पापी क्यों न हो, सच्ची श्रद्धा और भक्ति से भागवत कथा श्रवण करने से उसे मुक्ति मिल सकती है। अगले सात दिनों तक चलने वाली इस कथा में और भी अनेक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा जिसका लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन कथा स्थल पर पहुंचेंगे।

जाहिर सूचना

भूमि स्थित ग्राम गोपालपुरा, तहसील सीहोर नगर, जिला सीहोर के संबंध में।

मेरे पक्षकार मोहम्मद रफीक पिता मोहम्मद लतीफ निवासी-12, गुरूनानक कॉलोनी, न्यू कबाड़खाने के पीछे, भोपाल से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गोपालपुरा, तहसील सीहोर नगर, जिला सीहोर जिसका खसरा क्रमांक 111 (एस) रकबा 1.3900 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 112 (एस) रकबा 0.1660 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक 113 (एस) 114 रकबा 2.7190 हेक्टेयर इस प्रकार कुल भूमि रकबा 4.275 हेक्टेयर अर्थात 10.56 एकड़ भूमि है, उक्त भूमि किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा विक्रय की जा रही है जिसकी जानकारी मेरे पक्षकार को प्राप्त हुई। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि कोई भी व्यक्ति किसी अन्य से क्रय नहीं करें, ना ही अनुबंध, टोकन इत्यादि करें, अन्यथा उसकी स्वयं की जवाबदारी होगी मेरे पक्षकार के अतिरिक्त किसी अन्य को उक्त सम्पत्ति के विक्रय के अधिकार प्राप्त नही है।

मो. अनस अहमद सिद्दीकी अधिवक्ता
कार्या : फ्लेट नम्बर 2, प्रथमतल, दीपनिशा इनक्लेव, डी-110, फिरदौस नगर, बैरसिया भोपाल मोबा. नं.- 9981802782

भारती हॉस्पिटल का हेल्थ कार्ड लॉन्च अब मिलेगी किफायती स्वास्थ्य सेवाएं

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। नगर के भारती हॉस्पिटल ने आम जनता को किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक नया हेल्थ कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कार्ड 10 सितंबर 2025 से मरीजों के लिए उपलब्ध होगा।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह विशेष सुविधा आम लोगों को चिकित्सा खर्चों में राहत देगी। हेल्थ कार्ड के धारकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं पर आकर्षक छूट मिलेगी। इनमें ओपीडी कंसल्टेशन पर 50 प्रतिशत, डायग्नोस्टिक टेस्ट पर 10-20 प्रतिशत,दवाओं पर 10 प्रतिशत और विशेषज्ञ कंसल्टेशन पर 15-50 प्रतिशत तक की छूट शामिल है। इस कार्ड के माध्यम से जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और 18 से अधिक अन्य चिकित्सा विशेषज्ञताओं की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, अस्पताल की 24×7 आपातकालीन सेवाएं भी इस कार्ड में शामिल हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता सुनिश्चित करेंगी। हेल्थ कार्ड का औपचारिक लॉन्च 10 सितंबर 2025 को सुबह 10 बजे अस्पताल परिसर में होगा।

किराना व्यापारी संघ ने किया दो विशिष्टजनों का सम्मान

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। नगर एवं क्षेत्र के किराना व्यापारी संघ ने अपने भव्य गणेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान दो वरिष्ठ और सम्मानित व्यक्तित्वों को उनके प्रेरणास्पद कार्यों के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह किराना व्यापारी संघ द्वारा आयोजित किया गया। जो पिछले 24 वर्षों से अपनी व्यापारिक सेवाओं के साथ-साथ धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे है। इस वर्ष नगर के वरिष्ठ एवं सम्मानित मांगीलाल खंडेलवाल (मेडिकल वाले) और होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह जी राजपूत को उनके उत्कृष्ट कृतित्व और समाज में अच्छी परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, तिलक, शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान प्रकट किया। किराना व्यापारी संघ केवल एक व्यापारिक संगठन नहीं, बल्कि यह नगर की स्वच्छता और पर्यावरण के लिए भी अपना योगदान देता है। इसके अलावा,राष्ट्रीय पर्वों जैसे 15 अगस्त और 26 जनवरी पर ध्वजारोहण कर यह राष्ट्रगान करता है और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता है। संघ का गणेशोत्सव एक प्रमुख आयोजन है, जिसे बहुत ही भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक चलने वाले 11 दिवसीय इस उत्सव में हर दिन एक यजमान होता है और भगवान गणेश को अलग-अलग वस्तुओं का भोग लगाया जाता है। सभी 11 दिन महाआरती और महाप्रसादी का वितरण किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त, महिलाएं और बच्चे शामिल होते हैं। इस सम्मान समारोह के अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, व्यापारी, भक्तजन, महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम में किराना व्यापारी संघ के वरिष्ठ संरक्षक विजय खंडेलवाल, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, चैन सिंह जी राजपूत, मोहन जी अग्रवाल, धूलचंद खंडेलवाल, संघ के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, संयोजक गोपाल जी खंडेलवाल, गौरव सुपारी और सचिव पीयूष गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद थे।

श्राद्ध पक्षः तर्पण कर पितरों को किया जा रहा याद

जागरण बुधनी। पितृ पक्ष का पावन पक्ष शुरू हो गया है श्राद्ध पक्ष में पितरों को जल में तर्पण करने से सुख शांति समृद्धि मिलती है दिव गंत पुरखों के प्रति श्रद्धा का श्राद्ध पक्ष चल रहा है इस अवसर पर लोग नर्मदा घाट एवं अपने घर पर पितरों का तर्पण कर रहे हैं वंश परंपरा वृद्धि को पितरों का आशीर्वाद अनिवार्य होता है पितरों देवताओं ऋषि यों को जल तर्पण करें जल में तिल दूध जो मिलाकर हाथ में कुश लेकर सूर्य की ओर मुख कर तर्पण करें पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और भरपूर आदर सम्मान देने के विशेष समय को पित्र पक्ष या श्राद्ध पक्ष कहा जाता है इस अवधि में हम पूर्वजों को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं जिन्होंने हमें संस्कार ज्ञान मूल आदि प्रदान कर इस संसार में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीना सिखाया पितृपक्ष में पितरों के निमित्त तर्पण करने की सनातनी परंपरा वर्षो पुरानी है उसी परंपरा को निभाते हुए पूर्वजों को पितृपक्ष के चलते नर्मदा में स्नान करवा अपने घरों में पानी देकर पूर्वजों को याद किया जा रहा है श्राद्ध पक्ष में कुशा से तर्पण के जा रहा है ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में परिवार के लोगों से अपेक्षा रखते हैं और उनसे मिलने किसी ना किसी रूप में आते हैं श्रद्धा से पूजा और तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है पितरों की देव आसन की तिथि को श्राद्ध कर्म करने का विधान है लेकिन शास्त्रों मैं यह भी उल्लेखित है कि किसी कारण पूर्वजों के देव आसन की तिथि विस्मित हो जाए तो इनका श्राद्ध अमावस्या के दिन के जा सकता है 15 दिन तक चलते हैं इन दिनों में मांगलिक कार्य नहीं होते हैं ना कोई शुभ कार्य किया जाता है श्राद्ध पक्ष में अपने पूर्वजों की तिथि के दिन विशेष तौर पर भोजन 5 पचवारा निकाला जाता है जिसमें गाय कुत्ता कौवा चींटी व अतिथि देव का भोजन निकाला जाता है उसके बाद ब्राह्मणों को भोजन कराने का विशेष महत्व रहता है श्राद्ध पक्ष में विशेष रूप से कम ओं को याद किया जाता है लेकिन श्राद्ध पक्ष में कौवा कम नजर आते हैंद्ध

श्राद्ध पक्ष के समय क्यों नहीं किए जाते हैं शुभ कार्य ाद्ध पितृत्व के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक हैं। सनातन धर्मानुसार प्रत्येक शुभ कार्य के आरंभ करने से पहले में मां-बाप तथा पितृगण को प्रणाम करना हमारा धर्म है। क्योंकि हमारे पुरखों की वंश परंपरा के कारण ही हम आज जीवित रहे हैं। सनातन धर्म के मतानुसार हमारे ऋषिमुनियों ने हिंदू वर्ष में सम्पादित 24 पक्षों में से एक पक्ष को पितृपक्ष अर्थात श्राद्धपक्ष का नाम दिया। पितृपक्ष में हम अपने पितृगण का श्राद्धकर्म, अर्ध्य, तर्पणतथा पिण्डदान के माध्यम से विशेष क्रिया संपन्न करते हैं। धर्मानुसार पितृगण

की आत्मा को मुक्ति तथा शांति प्रदान करने हेतु विशिष्ट कर्मकाण्ड को %श्राद्ध% कहते हैं। श्राद्धपक्ष में शुभकार्य वर्जित क्योंः हमारी संस्कृति में श्राद्ध का संबंध हमारे पूर्वजों की मृत्यु की तिथि से है। अतः श्राद्धपक्ष शुभ तथा नए कार्यों के प्रारंभ हेतु अशुभ काल माना गया है। जिस प्रकार हम अपने किसी परिजन की मृत्यु के बाद शोकाकुल अवधि में रहते हैं तथा शुभ, नियमित, मंगल, व्यावसायिक कार्यों को एक समय अविधि तक के लिए रोक देते हैं। उसी प्रकार पितृपक्ष में भी शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। श्राद्धपक्ष की 16 दिनों की समय अवधि में हम अपने पितृगण से तथा हमारे पितृगण हमसे जुड़े रहते हैं। अतः शुभ-मांगलिक कार्यों को वंचित रखकर हम पितृगण के प्रति पूरा सम्मान व एकाग्रता बनाए रखते हैं।श्राद्धपक्ष की सोलह दिन की अवधी में पितृगण पितृलोक से चलकर भूलोक को आ जाते हैं। इन सोलह दिन की समयावधि में पितृलोक पर जल का अभाव हो जाता है, अतः पितृपक्ष में पितृगण पितृलोक से भूलोक आकार अपने वंशजो से तर्पण करवाकर तृप्त होते हैं। अर्थात् - जो व्यक्ति विधिपूर्वक श्राद्ध करता है, वह ब्रह्मा से लेकर घास तक सभी प्राणियों को संतृप्त कर देता है तथा अपने पूर्वजों के ऋण से मुक्ति पाता है। अतः स्वयं पर पितृत्व के कर्जों के मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता हैद्यधार्मिक मान्यता है कि इन 15 दिनों में गाय, चींटी, कुत्ता और कौवा को भोजन कराने से हमारे पितरों की आत्मा तृप्त होती है और उनका आशीर्वाद हम पर बना रहता है।विशेषकर कुत्तों को भोजन कराने का महत्व शास्त्रों में बताया गया है। कई बार लोग पालतू कुत्तों को भोजन नहीं करा पाते, क्योंकि उनके मालिक उन्हें तली या मीठी चीज़ें देने से रोकते हैं। लेकिन सड़क पर घूमने वाले कुत्ते इस पुण्य कार्य का माध्यम बन जाते हैं। इन्हें भोजन कराना ही हमारे पूर्वजों तक अर्पण करने जैसा है।इसलिए आइए, पितृपक्ष में हम सब मिलकर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता इन प्राणियों के माध्यम से पितरों तक पहुँचाएँ। क्योंकि भोजन चाहे किसी भी रूप में हो ।

दिगंबर जैन समाज ने निकाली श्रीजी की रथयात्रा, स्वर्ण बेदी में निकले भगवान अनेक स्थानों पर किया गया स्वागत, पुलिस और प्रशासन रहा मुस्तैद

जागरण,आष्टा। पर्यूषण पर्व के समापन पर दिगंबर जैन समाज ने स्वर्ण बेदी पर भगवान को विराजित कर रथयात्रा निकाली। वर्षो से निकलने वाली भव्य रथयात्रा अनुशासन और निर्धारित गणवेश में निकाली गई। सेकड़ों लोग अपने घरों से सीधे किला मंदिर पहुचे। रथयात्रा में शामिल दिगंबर जैन समाज के प्रमुख लोगो का विभिन्न संगठनों ने स्वागत कर मुनिगणों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी के साथ दस दिवसीय पर्यूषण माहपर्व का समापन हो गया।

मुनि सानंद सागर मुनिराज ने कहां कि दस दिनों में ऐसे संस्कार डल गए, जो अपनी आत्मा का कल्याण कर लेवें। धर्म प्रभावना करने से पुण्याणुवंदी पुण्य का संचय होगा। एक मां ने दूसरी मां के बेटे को अपने ही बेटे के हत्यारे को क्षमा कर दिया। उस मां में ममत्व आ गया। क्रोध में व्यक्ति अंधा हो जाता है। क्रोध दुःख देने वाला है। क्रोध में एक-दूसरे की जान ले लेते हैं।

मुनि सजग सागरजी ने कहा कि दसलक्षण पर्व क्षमा से ही शुरू होता हैं और क्षमा पर ही समाप्त होते है। तप तो खूब कर रहे आप पर जब तक जीवन मे अहिंसा नही आएगी, तब तक पर्व मनाने की सार्थकता नही मानी जाती हैं। एक-दूसरे से गलती होने पर माफी मांग लेना एक दूसरे को गले लगा लेना यही सबसे बड़ा आभूषण वीरों का आभूषण माना गया है। कोई कितनी ही गाली दे हमे कर्म सिद्धांत को समझ कर उल्टा पलटवार नही करना अहिंसा परमो धर्म माना गया हैं। जिनसे हमारा बेर हैं, उनसे विशेष रूप से हमे क्षमा मांगना चाहिए।

मुनि प्रवर सागर महाराज ने कहा कि इस संसार पर दृष्टि पड़ती हैं, तो देखने मे आता है कि लाखों-करोड़ों जीवों में विरले जीव जो कि मनुष्य पर्याय के जीव होते हैं, जो जिनवाणी का श्रवण करके अपने जीवन में धारण कर पाते हैं। जो भगवान के समवशरण में बैठते है वे ही पुण्यवान जीव हुआ करते हैं। आज क्षमावाणी का दिन हैं, मंदिर में आये हो तो कुछ धारण कर के ही जानाए बिना धारण किये नहीं जाये। जिनकी मात्र धन पर दृष्टि होती हैं एवे पुण्य का संचय नही कर पाते है। पुण्य का संचय करना बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। पर्व के दिनों में विशेष पुण्य का उदय होता है मात्र नारा लगाना ही धर्म नही हैं, नारे को जीवन में उतारना धर्म हैं।

किला मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई मानस भवन पहुंची। यहा पर भगवान को पांडुक शिला पर विराजित कर अभिषेक किया गया। यहा से शोभायात्रा पुनः किला मंदिर पहुंची। इस दौरान जैन धर्मावलंबियों ने श्री फल अर्पित कर भगवान की आरती की। शौभायात्रा का नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रूपेश राठौर, श्वेतांबर श्रीसंघ के विनित सिंगी, पूर्व नपाध्यक्ष डॉ. मीना सिंगी, लोकेंद्र बनवट, कवि अतुल सुराणा, मंडी व्यापारी संघ, सोनी समाज, मुस्लिम समाज, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, संजीव सोनी पांचम, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजनी चौरसिया, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष एवं पार्षद रवि शर्मा, हिउस अध्यक्ष कालू भट्ट, सकल समाज अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, पार्षद तेजसिंह राठौर, भाजपा नगर महामंत्री मोहित सोनी, सुमित मेहता, रोहित सेन, गबू सोनी, जिम्मी राठौर, अनिमेश सोनी, विजय मेवाड़ा एवं अन्य लोगो ने स्वागत किया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष आनंद जैन पोरवाल, महामंत्री कैलाश जैन चित्रलोक, मुकेश बडजात्या, संजय जैन सात्विक, मनोज जैन सुपर, जामनेर ट्रस्ट के वरिष्ट उपाध्यक्ष मयुर जैन इंजीनियर, दिलीप सेठी, धनरूपमल जैन, संजय जैन शिक्षक, शरद जैन, विश्वास जैन, विलास जैन विनायका, विजय जैन, संजय जैन किला, संदीप जैन चाय घर, अजय जैन किला, राहुल सेठी, अक्षय जैन, गोपी सेठी, मनीष पोरवाल, धीरज जैन, सोनु जैन एलआईसी, शैलेंद्र शिल्पा, कमलेश जैन, डॉ. राजेंद्र जैन, अनूप जैन कचरू, अमर जैन कचरू, गोपी श्रीमोढ़, अंकित श्रीमोढ़, लॉरेंस जैन सहित अनेक श्रावकगण मौजूद थे। दिगंबर जैन मंदिर किले पर भगवान का पूजन कर जलयात्रा का समापन किया गया। रात्रि में पंचायत समिति ने समाज के विभिन्न मंडलों का स्वागत समारोह आयोजित किया। आष्टा में निकली इस रथयात्रा में इंदौर, भोपाल, सीहोर, उज्जैन, देवास, इछावर, कोठरी, मेहतवाड़ा, जावर, अमलाहा अरनिया, खाचरोद एवं आसपास के क्षेत्र के समाजजनों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

दिगंबर जैन समाज एवं मुस्लिम समाज के जुलूस की व्यवस्था को लेकर सिकंदर बाजार स्थित पुलिस चौकी से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनीता रावत एवं एसडीएम नितिन कुमार टाले, एसडीओपी आकाश अमलकर अपनी नजर बनाए हुए थें। वही आष्टा टीआई गिरीश दुबे, पार्वती थाना टीआई हरिसिंह परमार, जावर टीआई नीता देअरवाल, उनि अविनाश भोपले आदि ने दोनों समाज के जुलूस में मौजूद थें।

भागवत कथा के समापन पर नगर में निकली शोभायात्रा

जागरण, जावर। नगर के श्री राम मंदिर मे पिछले सात दिनो से चल रही श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन मंदिर समिति द्वारा एक शोभायात्रा निकाली गई। जिसके पूर्व संत ब्रह्मदेवाचार्य जी महाराज ने श्रीराम मंदिर मे भक्तो के बीच भागवत कथा का रसपान किया। वही श्रीकृष्ण मंदिर मे चल रही सात दिवसीय भागवत कथा के दौरान कथावाचक विकास शर्मा नागदा ने भी सात दिनो तक भागवत कथा का रसपान करवाया।

श्रीराम मंदिर एवं श्रीकृष्ण मंदिर में भागवत कथा के समापन पर भागवत पुराण की पूजा-अर्चना कर नागरिको ने संत श्री ब्रह्मदेवाचार्य जी व विकास शर्मा को भेंट स्वरुप राशि एवं वस्त्र धारण कराकर सम्मान किया गया।

कथा के अंतिम दिन बडी संख्या मे भक्तगणो ने कथा को श्रवण किया एवं आरती के पश्चात शोभायात्रा निकाली गई, जो श्रीराम मंदिर से बेंड-बाजो, ढोल-ढमाको व भजन किर्तन गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो के जय घोष के साथ प्रारंभ हुआ। श्रीराम मंदिर में विष्णुदास बैरागी एवं श्रीकृष्ण मंदिर में सोभालसिंह, नरबतसिंह पटेल ने बोली लगाकर भागवत जी को अपने मस्तक पर धारण करने का सौभाग्य प्राप्त किया। जुलूस पुनः श्रीकृष्ण मंदिर से प्रारंभ होता हुआ माता चौक, महावीर मार्ग, गांधी चौक से होकर पुनः श्रीराम मंदिर पहुंचा जहां भागवत जी की महाआरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जुलूस का जगह-जगह कई समितियो व भक्तगणो ने भागवत जी की पूजा अर्चना कर कथावाचको का पुष्पाहरो से स्वागत किया। इस अवसर अनेक लोग मौजूद थें।

जसवाड़ा में हेल्थ कैंप आयोजित

जागरण मोहन बड़ोदिया। एसटीएस रूपनारायण शर्मा ने सोमवार दोपहर 1 बजे जानकारी देते हुए बताया किए सघन टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत उपस्वास्थ्य केंद्र जसवाड़ा ब्लॉक मोहन बड़ोदिया जिला शाजापुर में हेल्थ कैंप आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत समस्त पॉपुलेशन की टीबी स्क्रीनिंग, टीबी जांच,एचआईवी, शुगर की जांच की गई एवं हैंडहेल्ड एक्सरे मशीन के माध्यम से चेस्ट एक्सरे किए गए। इस दौरान मोहन बड़ोदिया ब्लाक से एसटीएलएस दिलीप मालवीय, ग्राम के सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सीएचओ अनुराधा मालवीय, एसटीएलएस दिलीप मालवीय, एक्सरे टेक्नीशियन सतीश मेवाड़ा, सुपरवाइजर अशरफ अली, एएनएम वंदना बिठोरे, आशा सुपरवाइजर सुनीता घावरी, आशा कार्यकर्ता घिसीबाई सेन, प्रेम बाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शहर से निकलेगी चुनरी यात्रा

जागरण शाजापुर। मां कनकेश्वरी भक्त मंडल शाजापुर के तत्वाधान में इस वर्ष भी चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा 27 सितंबर शनिवार को शाजापुर से रवाना होकर कनकेश्वरी देवी माता मंदिर करेड़ी पहुंचेगी जहां पर चुनरी चढ़ाकर महाआरती की जाएगी। साथ ही भंडारा भी आयोजित किया जाएगा। यात्रा को लेकर भक्त मंडल ने तैयारियां शुरू कर दी है और यह यात्रा का 12वां वर्ष रहेगा।

नर्सिंग होम में कोबरा घुसने से हड़कंप

जागरण शाजापुर। पाटीदार नर्सिंग होम में कोबरा की दस्तक से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 1 बजे जहरीला कोबरा अस्पताल के ड्रेसिंग रूम में जा घुसा। इस घटना से मरीजों के साथ ही स्टॉफ भी दहशत में आ गया।

अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत रेस्क्यू एक्सपर्ट जितेंद्र मालवीय को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मालवीय ने सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कुछ देर की मशक्कत के बाद कोबरा को पकड़ लिया। मालवीय ने बताया कि सांप 4 से 5 फीट लंबा था जिसे जंगल में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया।

सेवा पखवाड़ा केवल पार्टी का कार्यक्रम नहीं जनसेवा का बड़ा जनांदोलन : डॉ पांडे

जागरण शाजापुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सोमवार को सेवा पखवाड़ा पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी जगदीश अग्रवाल थे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ रवि पांडे ने की। विशेष अतिथि के रूप में विधायक अरुण भीमावद, प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, पूर्व विधायक पुरुषोत्तम चंद्रवंशी, बाबूलाल वर्मा एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक नायक मौजूद रहे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से 24 सितंबर तक जिले में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी संदर्भ में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ पांडे ने सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया कि 11 से 13 सितंबर तक मंडल स्तर में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। 17 से 24 सितंबर तक स्वास्थ्य शिविर, 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रक्तदान शिविर, प्रदर्शनी, 19 -20 सिंतबर को प्रबुद्धजन सम्मेलन, 21 से 25 सितंबर तक खेल प्रतियोगिताएं एवं प्रदेश के महानगरों में नमो मैराथन का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित होंगे। 27 और 28 सिंतबर को दिव्यांग और विशिष्टजनों का सम्मान किया जाएगा। उन्होने कहा कि हमें 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर जी की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि कर खादी की सामग्री क्रय कर जन-जन को जागरूक करके स्वदेशी को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्रहित, सांस्कृतिक गौरव और जनसेवा पर आधारित है, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमारे कार्यकर्ता तपोनिष्ठ एवं राष्ट्र सेवा के संकल्प से बने हैं। सेवा पखवाड़ा हमारे लिए केवल कार्यक्रम नहीं है बल्कि जनसेवा का जनांदोलन है। वहीं शाजापुर विधायक भीमावद ने कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों का लक्ष्य कार्यकर्ताओं का निर्माण है। इसलिए हमें आने वाले कार्यक्रमों से नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना है। स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत जैसे विचारों से युवा पीढ़ी को अवगत कराना होगा। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जिले के प्रभारी अग्रवाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़े में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के उद्देश्य को समझें और समर्पण से काम में जुट जाएं। विकसित भारत सिर्फ संकल्प नहीं, सिद्धि का मार्ग है। संकल्प लेकर पूरे समर्पण के साथ सेवा पखवाड़े में बढ़-चढ़कर भाग लें। जिला स्तरीय कार्यशाला का संचालन सेवा पखवाड़े के जिला संयोजक उमेश टेलर ने किया तथा आभार जिला सहसंयोजक जुझारसिंह राजपूत ने माना। इस अवसर पर मंच पर सेवा पखवाड़े की जिला टोली के सदस्य किशोर सोलिया, सचिन शर्मा, सोनू नेमा उपस्थित रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष, महामंत्री, मंडल अध्यक्ष महामंत्री, प्रकोष्ठ जिला संयोजक एवं सेवा पखवाड़े के अंतर्गत बनाई मंडल टोली के सदस्य उपस्थित थे।

स्व. गोठी को दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के अंत में जिले के वरिष्ठ नेता एवं गोलाना के पूर्व विधायक स्व.इंदरसिंह गोठी के निधन होने पर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विधायक अरुण भीमावद एवं पूर्व विधायक पुरुषोत्तम चंद्रवंशी द्वारा स्व गोठी के जीवन पर प्रकाश डाला गया और अंत में दो मिनट का मौन रख स्व गोठी को श्रद्धांजलि दी गई।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

जागरण शाजापुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ के तत्वावधान में साक्षरता एवं विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. वी.पी.मीणा ने की। कार्यक्रम में अतिथि एवं विशेष वक्ता जिला विधि सलाहकार अधिकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर शिखा शर्मा रहीं। इस दौरान डॉ. वी.पी.मीणा ने स्वागत भाषण दिया। विशेष वक्ता शर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षित व साक्षर होने का अन्तर एवं कानूनी नियमों के बारे में जागरूक रहने के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि विद्यार्थियों को वर्चुअली न पढ़ते हुए किताबों से पढ़ाई करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. सुनील आडवानी व आभार महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. मीनू गिडवानी ने माना। इस अवसर पर डॉ. अनिता यादव, डॉ. श्वेता चौहान, प्रो. प्रकाश बर्फा सहित सम्पूर्ण स्टॉफ एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

शिक्षक अमृत महोत्सव के तहत वयोवृद्ध शिक्षकों का सम्मान आज

जागरण शाजापुर। ऐसे सेवानिवृत्त शिक्षक जो अपनी आयु के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं, उनको प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंदकुमार तिवारी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम शिक्षक अमृत महोत्सव में सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जिन पेंशनर्स का जन्मदिवस माह जुलाई व अगस्त में रहा है, तथा जो शासकीय सेवक माह जुलाई व अगस्त 2025 में सेवानिवृत्त हुए और माह सितम्बर 2025 मे सेवानिवृत्त होने वाले उनका भी स्वागत किया जाएगा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम के संयोजक मनोहरलाल राय एवं सह संयोजक रामचंद्र चौहान ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों तक सेवा देने वाले गुरूजनों को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद सरकार की ओर से कोई सम्मान नही दिया जाता है। समाज में ऐसे हजारों सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, जिन्होने शिक्षण कार्य में सम्पूर्ण जीवन को सेवा का स्वरूप दिया और नागरिक कर्तव्य के रूप में अच्छे समाज और राष्ट्र का निर्माण किया। इन्ही वयोवृद्ध सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करने का कार्य प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से मंगलवार 9 सितम्बर को दोपहर 1 बजे स्थानीय गांधी हॉल में शिक्षक अमृत महोत्सव के रूप में किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं न्यायाधीश नमिता बौरासी, जिला विधिक सेवा अधिकारी शिखा शर्मा तथा भाजपा के जिला अध्यक्ष डा. रवि पांडे अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र रिणवा, सचिव शंकरलाल शर्मा, वरिष्ठ पेंशनर बद्रीप्रसाद सौराष्ट्रीय, शिवनारायण धारिया, सुरेशचन्द्र राठौर, गोकुलप्रसाद फुलेरिया, बालचंद्र सौराष्ट्रीय, ओपी नागर, दिलीप जोशी, लक्ष्मीचंद पाटीदार, रामसिंह पंवार, मनोहरलाल श्रीवास्तव आदि ने सभी पेंशनर्स साथियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य पर प्रतियोगिता आयोजित हुई

जागरण नलखेड़ा। स्थानीय सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय महाविद्यालय नलखेड़ा में प्राचार्य डॉ. जी एल रावल की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ जितेंद्र चावरे के नेतृत्व में निबंधए रंगोलीए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता. में प्रथम स्थान ममता भालोट कक्षा बी एस सी प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान हर्षिता बैरागी कक्षा बी एस सी प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान सुमित सेन कक्षा बी ए प्रथम वर्ष । रंगोली प्रतियोगिता. में प्रथम स्थान नंदनी पाटीदार कक्षा बी एस सी प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान रेखा सोलंकी कक्षा बी एस सी प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान मोनिका कारपेंटर कक्षा बी ए प्रथम वर्ष । पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ममता भालोट कक्षा बी एस सी प्रथम वर्षए द्वितीय स्थान राजर्षि रावल कक्षा बी एस सी प्रथम वर्षए तृतीय स्थान आशा मालवीय को मिला।

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, मंदता की रोकथाम के बताए उपाय

जागरण शाजापुर। राष्ट्रीय मानसिक पुनर्वास संस्थान सीहोर द्वारा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र शाजापुर में सोमवार को विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला दिव्यांग पुनर्वास शाजापुर द्वारा की गई। कार्यक्रम के अतिथि डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग शाजापुर नेहा गंगारे, विधायक अरूण भीमावद रहे। इस दौरान दिव्यांग छात्रों संबंधित कोर्स निरामय बीमा योजना फिजियोथैरेपी मानसिक मंदता की रोकथाम के उपाय व उपकरण संबंधी जानकारी हितग्राही को विस्तृत रूप से बताई गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानसिक पुनर्वास संस्थान के जेपी दिवाकर, पुनर्वास अधिकारी अनामिका शर्मा, फिजियोथैरेपिस्ट अनूप कुमार वैष्णव, कार्यशाला पर्यवेक्षक सामाजिक न्याय विभाग गोपाल तिवारी, गोविंद राठौड़, आदेश कोहली, समग्र सुरक्षा विस्तार अधिकारी राधे श्याम परमार, माखनलाल सोलंकी, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र शाजापुर के मुकेश कुशवाह, उमेश पालीवाल, राजेश मालवी, दीपेश रखोलिया, रेखा सोनी, शमा परवीन, जिला शिक्षा केंद्र के एपीसी फैजानुद्दीन, एमआरसी अनिल मालवी, गायत्री व्यास, प्रकाश कारपेंटर नवीन कारपेंटर, नव ज्योति विशेष विद्यालय प्राचार्य सिस्टर शोभिता सिस्टर, अंशी स्पेशल एजुकेटर, आशा कुशवाह, घनश्याम, श्याम परिहार, हर्षित त्रिवेदी आदि उपस्थित थे।

न्यूज कार्नर

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने किया सम्मान

देवास। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की नगर सभा एवं महर्षि गौतम सेवा ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास के मुख्य आतिथ्य एवं अ. भा. गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम.एम. मोदी की अध्यक्षता में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समाज के 70 से अधिक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में सर्वप्रथम नगर सभा अध्यक्ष संतोष दुबे, ट्रस्ट अध्यक्ष एम.एम. दुबे, महिला सभा अध्यक्ष अनुपमा पाठक, सांस्कृतिक मंत्री रवि व्यास, अमित पंडित एवं आदित्य व्यास ने राष्ट्र के गौरवशाली शिक्षक देवकृष्ण व्यास का शाल श्रीफल एवं सम्मान पत्र से सम्मान किया। तत्पश्चात अन्य शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज संतोष त्रिवेदी, संतोष जोशी, गिरधर शर्मा, संजय द्विवेदी, राजेंद्र दुबे, संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया एवं आभार डॉ. संजय तिवारी ने माना।

श्री मोहनधाम मंदिर के महंत गुरुचरण महाराज हुए ब्रह्मलीन

देवास। श्री मोहनधाम मंदिर के महंत गुरुचरण महाराज शनिवार को ब्रह्मलीन हो गए। उनके निधन पर उदासीन अखाड़ा के संत पूर्णानंद महाराज, नारायण कूटी सन्यास आश्रम, भोलेनाथ मंदिर के महंत, मां चामुंडा सेवा समिति के नारायण व्यास, रामेश्वर जलोदिया, नरेंद्र मिश्रा, उम्मेदसिंह राठौड़, इंदरसिंह गौड़ सहित सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने शोक व्यक्त किया।

शोक व्यक्त करने पहुंचे कांग्रेस जिला अध्यक्ष

सोनकच्छ। विगत दिनों कांग्रेस नेता भुरू शेख एवं इमरान शेख की माताजी रुखसाना बी का निधन हो गया था। शनिवार को शोक बैठक मे कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष चौधरी सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने शोक संतृप्त परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की एवं परिजनों को दुख की घड़ी में साहस बंधाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेस नेता प्रदीप चौधरी, तौसीफ पठान, सलमान बैग, पप्पू जागीरदार उपस्थित रहे।

छात्राओं के दांतों की जांच के लिये शिविर आयोजित

सोनकच्छ। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु एक डेंटल हास्पिटल के डॉक्टर के सहयोग से दांतों की जांच का शिविर आयोजित किया। मां सरस्वती का पूजन कर शाला प्रधान फारुक खान, रीना गुप्ता, विजयश्री जायसवाल एवं धर्मेंद्र चौधरी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात सभी छात्राओं के दांतों की जांच डॉक्टर मेघा कारपेंटर एवं डॉक्टर प्राची कुमावत एवं उनके सहयोगियों द्वारा की गई। हॉस्पिटल की ओर से निशुल्क टूथपेस्ट का वितरण किया। अंत में सभी का आभार शाला प्रधान खान द्वारा व्यक्त किया गया।

नार्मदीय ब्राह्मण समाज के चुनाव संपन्न

देवास। लक्ष्मण नगर स्थित सरस्वती ज्ञानपीठ विद्यालय में अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण महासभा की देवास जिला इकाई की कार्यकारिणी के चुनाव सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा इस प्रकार की गई मनोज शुक्ल अध्यक्ष, रितेश चौरे सचिव, पंडित अनिल खेड़ेकर कोषाध्यक्ष, पंडित शुभम केश्वरे युवा अध्यक्ष, मयंक जोशी युवा प्रतिनिधि, श्रीमती रंजना मलतारे महिला अध्यक्ष, श्रीमती च्योति चौरे महिला प्रतिनिधि, श्रीमती उर्मिला पगारे सचिव, श्रीमती रीना सरमण्डल कोषाध्यक्ष को मनोनीत किया गया। नार्मदीय ब्राह्मण समाज के श्री राजेंद्र कराहे ने बताया कि चुनाव निर्वाचन अधिकारी तरुण पगारे, पंकज सोहनी एवं मुकेश तारे द्वारा करावाए गए।

इंस्टाग्राम पेज पर फर्जी पेज बनाकर की धोखाधड़ी, 6 आरोपी गिरफ्तार

कई मोबाइल सिम और फर्जी खाते मिले

देवास। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा आपरेशन एफएएसटी के अंतर्गत पूरे प्रदेश में एक साथ फर्जी सिम कार्ड धारकों, विक्रेताओं और एजेंट्स के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य साइबर ठगी जैसे अपराधों में प्रयुक्त हो रहे फर्जी सिम कार्ड और उनसे जुड़े अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्यवाही करना है। अभियान के तहत देवास जिले से संबंधित 6 साइबर अपराध शिकायतों की जांच हेतु पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा निर्देशित किया गया। जिस पर से एएसपी जयवीरसिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में सीएसपी सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली श्यामचन्द्र शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा साइबर सेल भोपाल से प्राप्त शिकायतों और दस्तावेजों के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच की गई। उक्त नंबरों से जुड़े उपभोक्ता फर्म के विश्लेषण में सामने आया कि ये सिम कार्ड वेंडर सुनील शिंदे निवासी नाथ मोहल्ला देवास द्वारा बेचे गए थे। पूछताछ में वेंडर ने बताया कि सिम कार्ड वैध दस्तावेजों पर बेचे गए थे, लेकिन आगे की जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया। सिम धारक आकाश ठाकुर, लखन पाल और आकाश ताड़े ने स्वीकार किया कि उन्होंने ठगी करने के उद्देश्य से सिम कार्ड खरीदकर बैंक खातों का संचालन किया और उक्त खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक व सिम कार्ड को प्रतीक शर्मा को सौंपा। प्रतीक शर्मा ने यह सभी दस्तावेज आशु पाठक को दिए, जिसने इन्हें मयंक कांकर (मुरैना निवासी) को 7- 8 हजार रुपए में बेच दिया। मयंक कांकर ने पूछताछ में बताया कि उसने इन सिम और बैंक दस्तावेजों का उपयोग कर इंस्टाग्राम पर दो फर्जी पेज साथ फेरे कलेक्शन, काजल साड़ी एंड बुटीक के नाम से बनाए। इन पेजों पर महिलाओं के वस्त्र और आभूषण बेचने का झांसा दिया जाता था। ग्राहक जब ऑनलाइन भुगतान करते तो सामान भेजा नहीं जाता। इस तरह लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर थाना कोतवाली में धारा 318(4), 316(2) बीएनएस 66 (ग) आईटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने इस मामले में आकाश ठाकुर पिता निर्भय सिंह ठाकुर निवासी विजय नगर, लखन पाल पिता मुन्नालाल पाल निवासी विजय नगर देवास, आकाश ताड़े पिता सुरेश ताडे निवासी भगत सिंह मार्ग देवास, प्रतीक शर्मा पिता प्रहलाद शर्मा निवासी विजय नगर देवास, आशु पाठक पिता विनोद पाठक निवासी पिपल्या बक्सु सोनकच्छ और मयंक कांकर पिता विनोद कांकर निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी मुरैना को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 20 हजार रुपए नगदी, मोबाइल फोन, सिम व अन्य दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपियों के पकड़ने में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्यामचन्द्र शर्मा, उनि जीवन भिंडोरे, प्रआर मनोज पटेल, सुनील देथलिया, रवि गरोडा, आर नवीन पटेल, मनीष देथलिया, सुजीत चौधरी एवं सायबर सेल टीम से प्रआर सचिन चौहान, शिवप्रताप सिंह सेंगर, आर मोनू राणावत का योगदान रहा।

क्षिप्रा नदी में पर्याप्त जल आने पर महापौर ने की पूजा-अर्चना

देवास। मां शिप्रा नदी में हाल ही मे आए वर्षाकाल मे पर्याप्त जल आने पर नगर निगम महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने सोमवार को विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर की गई। महापौर ने बताया कि शिप्रा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी आस्था, परंपरा और पहचान का प्रतीक है। नदी में जल का प्रवाह फिर से देखकर मन में श्रद्धा और संतोष की भावना जागृत होती है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, क्षिप्रा सरपंच विश्वास उपाध्याय, पार्षद धर्मेंद्रसिंह बैस, गणेश पटेल, राजा अकोदिया, राहुल दायमा, महेश फुलेरी, बाबू यादव, अजय पड़ियार, भरत चौधरी, रघु भदौरिया, विपुल अग्रवाल, जितेंद्र जायसवाल, दुर्गेश चिल्लोरिया, उपायुक्त आरती खेड़ेकर, जगदीश वर्मा आदि उपस्थित रहे। महापौर ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे नदी की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। इस पुनः जागृत जलधारा को नगर के लिए शुभ संकेत मानते हुए महापौर ने भविष्य में और भी जल-संरक्षण अभियानों को तेजी से आगे बढ़ाने की बात कही।

टेकरी पर नवरात्रि की व्यवस्था देखने पहुंचे कलेक्टर-एसपी

देवास। जिले में शारदीय नवरात्रि पर्व 22 सितंबर से मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व पर माताजी की टेकरी पर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियों को लेकर कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने टेकरी का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, एएसपी जयवीरसिंह भदौरिया, एएसपी ट्राफिक एचएन बाथम, एसडीएम आनंद मालवीय, सीएसपी, नगर निगम उपायुक्त, तहसीलदार, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, नगर निगम, वन विभाग, यातायात सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि माताजी टेकरी इस प्रकार की व्यवस्था करें कि श्रद्धालु सुगमता से दर्शन कर सके। उन्होंने कहा कि बड़ी माता और छोटी माता मंदिर परिसर में दर्शन के लिए अच्छे से प्रबंधन करें। इस दौरान उन्होंने विगत वर्षो में किस प्रकार की व्यवस्था की जाती रही है, इसकी जानकारी भी ली। कलेक्टर ने नवरात्रि के दौरान सीढ़ी और शंख द्वार मार्ग पर बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीढ़ी और शंख द्वार मार्ग पर अस्थाई दुकान नहीं लगने दें। अस्थाई दुकानों के लिए केबल कार परिसर में अलग से जगह देकर अस्थाई दुकानें लगाए। नवरात्र के दौरान सीढ़ी और शंख द्वार मार्ग क्लीयर रहना चाहिए। माताजी टेकरी पर लग रही स्थाई लाईट का निरीक्षण किया तथा शीघ्र कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि बारिश की संभावना को देखते हुए अभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें। माताजी टेकरी पर वाटर प्रूफ टेंट भी लगाए। उन्होंने कहा कि जहां पत्थर गिरने की संभावना रहती है, वहां आवश्यक कार्यवाही करें। रैलिंग को दुरुस्त कर ले।

बरवाई खेड़ा टोल पर भाजपाई-कांग्रेसी आमने-सामने

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की विधायक ने कहा : जब तक सड़क का काम पूर्ण नहीं होता, तब तक नहीं लगेगा खातेगांव वासियों को टोल

खातेगांव। इंदौर-बैतूल राजमार्ग पर बरवाई खेड़ा टोल प्लाजा अभी शुरु ही हुआ है और विवादों के घेरे में आ चुका है। यह टोल पहले ही दिन राजनीतिक का अखाड़ा बन गया और भाजपा-कांग्रेस के नेता आमने-सामने हो गए तथा जमकर नारेबाजी हुई। दरअसल इंदौर-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम बरवाई खेड़ा में स्थापित टोल प्लाजा सोमवार से प्रारंभ हुआ और पहले दिन खातेगांव विधानसभा के वाहन स्वामियों से टोल शुल्क वसूलना शुरु कर दिया गया। जबकि खातेगांव विधानसभा के लोगों का कहना है कि अभी सड़क का कार्य ही अधूरा है, तो फिर टोल किस बात का लिया जाए। इस बात से क्षेत्रवासियों ने विधायक आशीष शर्मा के सामने भी रखी थी। लिहाजा विधायक आशीष शर्मा ने भी क्षेत्रवासियों को उचित मानते हुए इस मामले से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर अवगत कराया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से चर्चा के उपरांत यह निर्णय हुआ कि खातेगांव विधानसभा क्षेत्र के निजी वाहन चालकों, स्कूल बसों आदि से राशि नहीं ली जाएगी। यह बात विधायक आशीष शर्मा ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कही थी, जो अगले दिन अखबारों की सुर्खियां बनी, किंतु सोमवार को पूजा-अर्चना के बाद टोल प्लाजा प्रारंभ हुआ तो खातेगांव विधानसभा के नागरिकों से टोल वसूलने की बात सामने आई। जिससे क्षेत्रवासी नाराज हो गए और उन्होंने पूरे मामले से विधायक को अवगत कराया। इसके बाद विधायक शर्मा ने टोल प्लाजा के अधिकारियों व एसडीएम से चर्चा कर मामले का निराकरण करवाया। साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, कन्नौद मंडल अध्यक्ष हुकुम पटेल, पार्षद प्रतिनिधि कमल कासलीवाल, राहुल लेघा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं को टोल नाके पर भेज दिया, जहां उन्होंने हस्तक्षेप कर खातेगांववासियों द्वारा आधार कार्ड बताने पर टोल निःशुल्क करवाया गया। हालांकि जो लोग आधार कार्ड बताने में असमर्थ रहे, उनसे टोल वसूला गया। टोल नाके को लेकर जब भाजपाई राजनेता सक्रिय थे, तो कांग्रेस पीछे क्यों रहती। इस बात की जानकारी मिलते ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष चौधरी, खातेगांव ब्लॉक अध्यक्ष राजेश विश्नोई, पूर्व जनपद अध्यक्ष ओम पटेल, पूर्व विधायक कैलाश कुंडल, महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील यादव आदि भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ टोल नाके पर पहुंचे गए। जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद शिवराजसिंह चौहान व विधायक आशीष शर्मा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे। हालांकि इसके बाद बात आगे नहीं बढ़ी।

कांग्रेस ने की टोल निःशुल्क करने की मांग

इस मामले को लेकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश विश्नोई ने बताया कि अभी सड़क का कार्य अधूरा है, फिर भी बरवाई खेड़ा टोल प्लाजा पर खातेगांव-कन्नौद के वाहन स्वामियों से शुल्क वसूला जा रहा है। जबकि कांग्रेस की मांग है कि कन्नौद-खातेगांव के लोगों को टोल निःशुल्क किया जाए। इसी बात को लेकर हमने प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों द्वारा कन्नौद-खातेगांव के वाहन स्वामियों को अभद्र व्यवहार भी किया जा रहा है। जबकि टोल कर्मियों का कहना है कि हमारे पास कोई लिखित आदेश नहीं था, इसीलिए हमने वाहन स्वामियों से शुल्क मांगा था और कुछ लोग आधार कार्ड नहीं बता पाए, उनसे भी राशि वसूली गई।

टोल प्लाजा पर खातेगांव विधानसभा क्षेत्र के लोगों से टोल नहीं लेने की मांग को लेकर जिलाधीश के नाम एक ज्ञापन मेरे पास आया है। उक्त ज्ञापन मैं जिला मुख्यालय पर भिजवाकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराउंगा। इस मामले को लेकर विधायक आशीष शर्मा भी यही प्रयास कर रहे है कि खातेगांव क्षेत्र के लोगों को टोल टैक्स से मुक्त रखा जाए।

प्रवीण प्रजापति
एसडीएम, खातेगांव

डर के कारण वृद्धा चादर ओढ़कर सोती रही और परिजन एटीएम सहित अन्य सामान उड़ा ले गए

चार दिन पूर्व ही हुई है पति की मौत, वृद्धा के भाई ने बीएनपी थाने पर की शिकायत

देवास। इस कलयुग में पैसे को लेकर आदमी कितना निचले स्तर पर गिर रहा है, इसकी एक बानगी शनिवार-रविवार की रात करीब डेढ़ बजे राधागंज स्थित राम रहिम नगर चौराहा पर देखने को मिली है। जहां पर एक मकान में अकेली रह रही वृद्धा के परिजन कुछ अज्ञात बदमाशों के साथ घर में घुस गए और सामान समेटना शुरु कर दिया। यह देखकर वृद्धा बुरी तरह डर गई और चादर ओढ़कर सो गई। उन्हें शंका थी कि यदि वह चिल्ला-पुकार करेगी तो हो सकता है, उन पर हमला हो जाए, इसीलिए वह सोई रही और परिजन एटीएम, स्कूटर, चांदी के आभूषण व अन्य दस्तावेज आदि ले उड़े। यहां तक कि एटीएम से डेढ़ लाख रुपये भी निकाल लिए। सुबह जब आसपास के लोगों व वृद्धा के भाई व भतीजे को इस बात की जानकारी मिली तो वे लोग मौके पर पहुंचे तथा भाई सुमेरसिंह ने बीएनपी थाने पर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बीएनपी थाना पुलिस ने इस मामले में जांच प्रारंभ कर दी है। वृद्धा के भाई सुमेर सिंह ने थाने पर की शिकायत में बताया कि राधागंज में रहने वाले समंदर सिंह चंदेल का गत 4 सितंबर को निधन हो गया था। इसके बाद उनके घर में समंदर सिंह की पत्नी श्रीमती चंदेल रह रही थी। साथ ही समंदर सिंह के भाई का परिवार भी उसी घर में रहने आ गया था, क्योंकि समंदर सिंह के कोई बच्चे नहीं है, इसीलिए देखभाल की दृष्टि से उज्जैन रोड क्षेत्र में रहने वाले उनके परिजन घर पर ही थे, किंतु इसी बीच शनिवार-रविवार की रात करीब डेढ़ बजे परिजन व बाहर से आए कुछ बदमाशों ने घर के अंदर रखे बैंक की पासबुक, चेक, एफडी, एटीएम, चांदी के जेवरात, मोबाइल, स्कूटर और अन्य सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी फूटेज में भी कैद हो गई है। इसी बात को लेकर पुलिस थाने पर शिकायत की गई है। हालांकि देर रात तक इस मामले में प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। इस संबंध में टीआई अमित सिंह सोलंकी का कहना है कि जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, उन्हें थाने बुलाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। सभी तथ्य मिलने के बाद प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

जैन समाज ने धूमधाम से मनाया क्षमावाणी पर्व

श्रीजी की शोभायात्रा निकाली, क्षमा याचना की

सोनकच्छ। सोमवार को जैन समाज द्वारा क्षमावाणी पर्व बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित हुए। छोटे जैन मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें एक प्राचीन व सुसज्जित रथ पर भगवान महावीर की अष्टधातु प्रतिमा विराजमान थी। बैंड-बाजे और डोल की धुन के साथ निकली यात्रा का मार्ग में समाजजनों ने अपने घरों के सामने भगवान की आरती उतारकर श्रीफल भेंट किए। लोग झूम-झूम कर भक्ति नृत्य करते हुए रथ के आगे-आगे चल रहे थे। समाज के बच्चों के जयघोष बैंड ने यात्रा को ओर भी आकर्षण बना दिया। यात्रा एक निजी गार्डन में पहुंची, जहां भगवान की प्रतिमा को विराजमान कर पूजन, कलशाभिषेक और आरती की गई। बाद सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसकी शुरुआत महिलाओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुई। ट्रस्टियों द्वारा पर्व के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उपवास रखने वाले तपस्वी शकुंतला पाटोदी, धर्मेंद्र पोरवाल, प्रणय टोंग्या, वीरेंद्र पाटोदी, पीयूष छाबड़ा, सोनम पाटोदी, प्रियांश पाटनी, नीतू कर्णावट, पूनम ओसवाल, सुनय बाकलीवाल आदि को सम्मानित किया। आयोजनों में समाज की महिलाएं, पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्ग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। जानकारी प्रवक्ता रोमिल जैन द्वारा दी गई।

तपस्वियों का विशेष सम्मान किया

क्षमा याचना का पावन क्षण शाम 5 बजे यात्रा पुनः छोटे जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नदी किनारे स्थित बड़े जैन मंदिर पहुंची। यहां भगवान आदिनाथ के दर्शन के पश्चात, जैन मंदिर में क्षमावाणी गीत गाकर भगवान से क्षमा मांगी गई। आरती और शास्त्र प्रवचन के बाद, मंदिर प्रांगण में सभी समाजजनों ने बीते वर्ष में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगी। रात्रि में इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए समाज के लोगों ने घर-घर जाकर क्षमा याचना की। वहीं छोटों ने बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लिया, इसी के साथ दस लक्षण पर्युशण पर्व का समापन हुआ।

रात भर चला सद्भावना क्लब का विसर्जन चल समारोह

सतवास। गणेश उत्सव के समापन अवसर पर सद्भावना क्लब सतवास द्वारा अपने 33 वें वर्ष में विसर्जन चल समारोह आयोजित किया गया। यह चल समारोह रात 9 बजे प्रारंभ हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। जिसमें विभिन्न गणेश उत्सव समितियों की प्रतिमाएं शामिल हुई। विशेष बात यह रही कि हिंदू, मुस्लिम, सिख समाज के लोगों ने मिलकर समारोह में भाग लिया और अखाड़ा खेला, जो सर्वधर्म समभाव का प्रतीक बना। रात भर चले इस आयोजन में विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। इन अखाड़ों के उस्तादों का सद्भावना क्लब द्वारा साफा, शील्ड व राशि देकर सम्मान किया गया। रात करीब साढ़े 3 बजे दतूनी नदी बड़कन में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अजय व्यास, कोषाध्यक्ष विजयसिंह गौड़, मनोज राय, डॉ. राजेश यादव, वहीद सदर, रमजान खान, संतोष सिंह गौड़, हेमन्त गुर्जर, संजय शर्मा, आनन्द योगी, नंदकिशोर यादव, अक्षय जायसवाल, जयेश सिंगी, अरुण सोलंकी, मनीष राय, हनु कासलीवाल, जागेश्वर मालवीया, अनीस खान, अमन राठौर आदि उपस्थित थे।

संगोष्ठी का आयोजन, शिक्षकों को मिला सम्मान

सोनकच्छ। शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार को संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा संकुल प्राचार्य नैना पाठक के मुख्य आतिथ्य एवं शाखा संचालिका सोनाली दीदी की अध्यक्षता में शिक्षकों की संगोष्ठी आयोजित कर नगर के करीब 30 शिक्षक-शिक्षिकाओं को तिलक लगाकर ईश्वरीय साहित्य आदि भेंटकर सम्मानित किया। अतिथि पाठक ने कहा कि शिक्षकों के हाथ में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की डोर भी होनी चाहिए। बच्चों को संस्कार और संस्कृति का मूल्य सिखाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में अधिवक्ता धर्मेंद्र मनोरिया, सौभागसिंह ठाकुर, लाखनसिंह सेधव, सत्यनारायण लाठी, फारुक खान, वैशाली जैन, श्रीमती संतोष गुप्ता, प्रियंका जैन सहित नगर के गणमान्य नागरिक, विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण आदि उपस्थित थे।